Shodh International: A Multidisciplinary International Journal (In Hindi)
Vol. 3, Issue 1 - 2018

कृषि वाणिज्यीकरण एवं आधुनिकीकरण के मध्य बहु विचार सहसम्बन्ध विष्लेषण

डॉ. सुनील कुमार*

किसी भी क्षेत्र का व्यापार एवं वाणिज्य विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न–भिन्न उत्पादों के असमान रूप से उपयुक्त क्षेत्रीय दशाओं के अनुरूप उत्पादन पर निर्भर करता है। साथ ही परिवहन के माध्यम से विभिन्न वस्तुओं के विनिमय से विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की वस्तुओं की उपलब्धि वाणिज्यीकरण का आधार बनती है जिससे विभिन्न वस्तुओं के उत्पाद की अधिकतम लाभप्रदता सुनिश्चित होती हैं वाणिज्यक कृषि के अन्तर्गत मुद्रा का प्रयोग, ट्रैक्टर, मशीनरी, रासायनिक खाद, कीटनाशक तथा खरपतवार नाशक, पौधों पौधे की उत्तम प्रजातियां एवं अनेक अन्य तकनीकी का साधन का प्रयोग किया जाता हैं वाणिज्यक कृषि के अन्तर्गत कृषक की अन्त: प्रादेशिक तथा अन्तर प्रादेशिक अन्तर प्रक्रिया, विपणन एवं भण्डारण की मांग के अनुरूप निर्वाहक कृषि की अपेक्षा अधिक होती है।

वाणिज्यकीरण के अन्तर्गत परम्परागत निर्वाहक कृषि व्यवस्था आधारित आर्थिकी का वाणिज्योन्मुख कृषि व्यवस्था आधारित आर्थिक में परिवर्तन होता है। आधुनिकीकरण की अवधारणा आंग्ल भाषा में मॉर्डनाजेशन, शब्द का हिन्दी रूपान्तर आधुनिकीकरण है, जो अत्यन्त संकुचित अर्थ हैं "मानव समूहों द्वारा अपनी प्राचीन संस्कृति से विचलन तथा नवीन भौतिकवादी संस्कृति को ग्रहण करने की प्रक्रिया आधुनिकीकरण है।[1]

आधुनिकीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जो किसी क्षेत्र के निवासियों को अपने प्राचीन या पूर्ण प्रचलित व्यवहारों तथा स्वीकृत प्रतिमानों से विचलित करके उनमें नवीन दृष्टिकोणों तथा मूल्यों को प्रोत्साहित करती है तथा उनके व्यवहारों में, विचारों के सामाजिक संस्थाओं में या यों कहिए कि समपूर्ण भौतिक तथा अभौतिक संस्कृति में से पुरानापन अथवा रूढ़िवादिता एवं संकीर्णता को निकालकर उसके स्थान पर प्रगतिशील आधुनिक संस्कृति को एक प्रमुख स्थान प्राप्त है, प्रोत्साहन प्रदान करती है, जो आवष्यक रूप से विरोधी नहीं है, यह प्रक्रिया ग्रामीण प्रगति की परिचायक है इससे सामाजिक असंतुलन तथा विघटनकारी तत्यों को प्रोत्साहन मिलता हैं इस प्रक्रिया का सूत्रपात प्राय: अंग्रेजी शासनकाल से हुआ है।[2]

अध्ययन क्षेत्र जनपद फिरोजाबाद जिसमें अध्ययन की इकाई विकासखण्ड होगी। फिरोजाबाद जनपद गंगा एवं यमुना नदियों द्वारा निर्मित दोआब के उपजाऊ एवं समतल मैदान का एक भाग है जो इस दोआब के मध्य एवं पश्चिमी भाग का प्रतिनिधित्व करता है जिसका दक्षिणी–पूर्वी क्षेत्र यमुना नदी द्वारा निर्मित नवीन जलोढ़ मैदान तथा असम बीहड़ी क्षेत्र है, जबकि इस जनपद का उत्तरी–पश्चिमी एवं मध्य भाग पुरातन जलोढ़ निक्षेप द्वारा निर्मित बांगर क्षेत्र के रुप में जाना जाता है।

1. लर्नर डी. (1968) : मॉर्डनाइजेशन: सोसल आसपेक्ट्स, मैकमिलन कम्पनी (प्रा0 लि0) न्यूयार्क, पृ0 386.
2. आर्य एस0पी0 (1988) : ग्रामीण समाजशास्त्र : ग्रामीण समाज, विवके प्रकाशन जवाहनगर, नई दिल्ली, पृ0 508.

*सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, आईएएसई, मानित विश्वविद्यालय, सरदारशहर चूरु राजस्थान 331403।
Correspondence E-mail Id: editor@eurekajournals.com

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved. **ISSN: 2581-3501**

फिरोजाबाद जनपद भारत के उत्तरी क्षेत्र में स्थित उत्तर प्रदेश के उत्तरी–पश्चिमी भाग में जिसका भौगोलिक विस्तार 26^0 54′ उत्तरी अक्षांश से 27^0 30′ उत्तरी अक्षांश तक तथा 70^0 12′ पूर्वी देशान्तर से 78^0 50′ पूर्वी देशान्तर तक 2366.84 वर्ग किमी0 क्षेत्र पर है। जनपद 9 विकासखण्डों में विभाजित है, जिसमें कुल 9 नगर केन्द्र और 755 ग्रामीण अधिवास सम्मिलित हैं। जिन्हे शोधपत्र के अध्ययन में आधारभूत इकाई के रुप में ग्रहण किया गया है। शोध पत्र में आधुनिकीकरण की परिभाषा निम्न सूत्र से और अधिक स्पष्ट की जा सकती है।

आधुनिकीकरण– परिवर्तन की प्रक्रिया

↓

राष्ट्र निर्माण

↓

नियोजित विकास जिसका उद्देश्य एक ऐसे समाज की रचना करना है जिसमें जनता की सहभागिता, समता सभी के लिए शिक्षा और समाज अवसर के साथ–साथ मानव समूहों द्वारा अपनी प्राचीन संस्कृति से विचलित होकर विकास हेतु रूढ़िवादिता तथा संकीर्णता को त्यागकर नवीन भौतिक वादी संस्कृति को ग्रहण करने की प्रक्रिया।

उपर्युक्त विवचेन से शोध पत्र इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि कृषि वाणिज्यीकरण और आधुनिकीकरण एक दूसरे की पूरक प्रक्रियायें हैं, एक ही सिक्के के दो पहलू हैं क्योंकि कृषि वाणिज्यीकरण का ही प्रतिफल आधुनिकी करण है। इन दोनों के बीच धनिष्ठ सम्बन्ध हैं कृषि वाणिज्यीकरण और आधुनिकीकरण के मध्य सह सम्बन्ध का विश्लेषण शोध पत्र में क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान 50 उन्नतशील किसानों और 50 उन्नतशील (गैर परम्परागत) किसानों से कृषि वाणिज्यीकरण एवं आधुनिकी के बारे में अभिमत जानने का प्रयास किया है जिसमें निष्कर्ष रूप में विभिन्न तथ्य उभरकर आये हैं जिनका आशय यही है कि कृषि वाणिज्यीकरण एवं आधुनिकीकरण धनिष्ठ रूप से एक दूसरे के यह सम्बन्धित है।

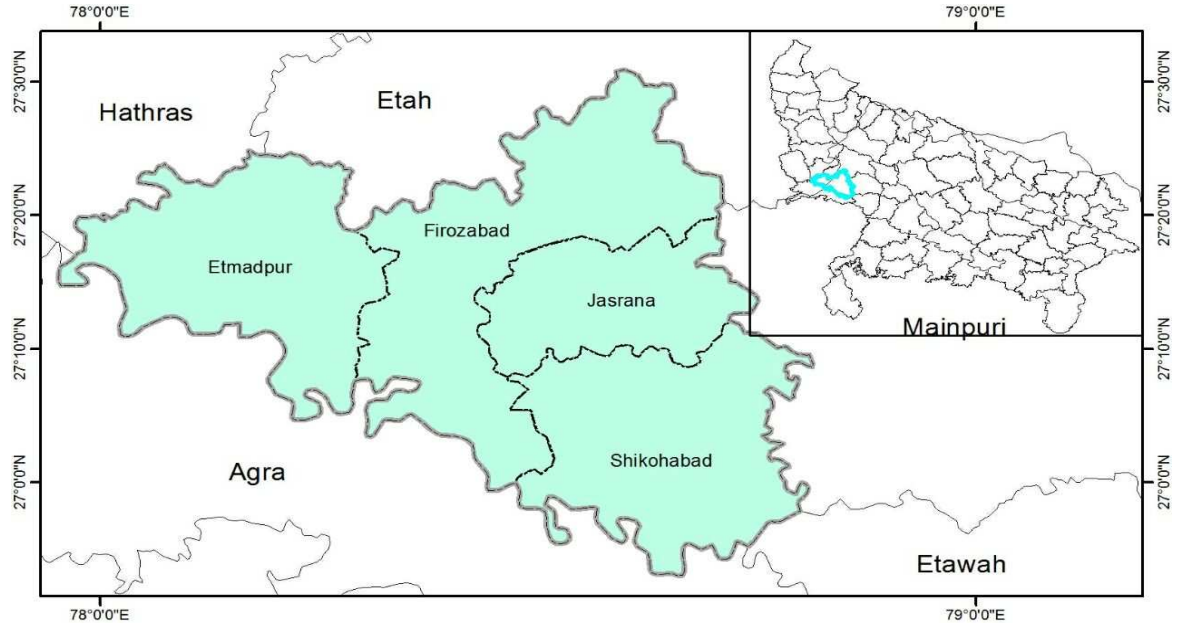

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved. ISSN: 2581-3501

जनपद फिरोजाबाद में कृषि वाणिज्यक के सूचकों के प्रति अभिमत / स्वीकारोक्तियां

क्र.सं.	कृषि वाणिज्यीकरण के विचार	A	B	R_1	R_2	$D=R_1-R_2$	D_2
1.	अतिरिक्त धनार्जन	15	14	1	1	0	0
2.	किसी मौसम में फसल	12	11	2	3	−1	1
3.	बाजरू खपत	10	12	3	2	1	1
4.	कम सिंचाई की फसलें	06	08	5	4	1	1
5.	यंत्रीकरण की अधिकता	07	05	4	5	−1	1
योग–		50	–	–	–	–	$\Sigma d^2=4$

A = उन्नतशील किसान **B** = अउन्नतशील किसान

सह सम्बन्ध गुणांक (r) $= 1 - \frac{6\Sigma d^2}{N(N^2-1)}$

$= 1 - \frac{6x4}{5(25-1)}$

$= 1 - \frac{6x4}{5 \times 24}$

$= 1 - \frac{24}{120}$

$= 1 - 0.2$

$= (+)\ 0.80$ (उच्चकोटि का धनात्मक सह सम्बन्ध)

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि सूचनादाताओं की प्रतिक्रिया सम्बन्धी प्राथमिक तथ्यों की गणना से सहसम्बन्ध का उच्चकोटि का धनात्मक मान (+) 0.80 प्राप्त होना यह स्पष्ट करता है कि उक्त विचार कृषि वाणिज्यीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं उक्त विचर के बिना कृषि का वाणिज्यीकरण नहीं हो सकता है।

जनपद फिरोजाबाद में आधुनिकीकरण के प्रति सूचनादाताओं की स्वीकारोक्तियां / अभिमत

क्र.सं.	आधुनिकीकरण के सूचक	A	B	R_1	R_2	$D=R_1-R_2$	D_2
1.	प्रति व्यक्ति बढ़ती आय	13	14	1	1	0	0
2.	संचार सम्बद्धता	10	13	3	2	1	1
3.	नवीन सोच / विचार / दृष्टिकोण	12	8	2	4	−2	4
4.	उत्तरोत्तर बढ़ती तकनीक	8	9	4	3	1	1
5.	जोखिम लेने की क्षमता का विकास	7	6	5	5	0	0
योग–		50	50	–	–	–	$\Sigma d^2=6$

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved. ISSN: 2581-3501

A = उन्नतशील किसान **B** = अउन्नतशील किसान

$$\text{सह सम्बन्ध गुणांक } (r) = 1 - \frac{6\Sigma d^2}{N(N^2-1)}$$

$$= 1 - \frac{6x6}{6(25-1)}$$

$$= 1 - \frac{6x6}{5 \times 24}$$

$$= 1 - \frac{36}{120}$$

$$= 1 - 0.3$$

$$= (+)\ 0.7 \text{ (उच्च कोटि का धनात्मक सह सम्बन्ध)}$$

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि उच्च कोटि का धनात्मक सह सम्बन्ध (+) 0.7 प्राप्त होना यह सिद्व करता है कि उक्त सूचक आधुनिकीकरण को प्रभावित करते हैं।

शोध पत्र में यह भी सिद्व करने का प्रयास किया है कि कृषि का वाणिज्यक रूप लेना आधुनिकीकरण का ही प्रतिफल है क्योंकि नवीन विचार शक्ति व तकनीक से है कृषि का वाणिज्यीकरण हो सकता है उक्त सन्दर्भ में शोध पत्र में सूचनादाताओं से अभिमत जानने का प्रयास किया है कृषि वाणिज्यीकरण व आधुनिकीकरण एक दूसरे के पूरक हैं।

क्या कृषि वाणिज्यकरण और आधुनिकीकरण एक दूसरे के पूरक हैं।

क्र.सं.	प्रतिक्रिया	सूचनादाताओं की अभिवृत्तियां		R_1	R_2	$D=R_1-R_2$	D_2
		A	B				
1.	सहमत	40	38	1	1	0	0
2.	असहमत	05	06	2	2	0	0
3.	उदसीन उत्तर	03	02	3	4	−1	1
4.	कोई उत्तर नहीं	02	04	4	3	1	1
योग–		50	50	–	–	–	$\Sigma d^2=2$

A = उन्नतशील किसान **B** = अउन्नतशील किसान

$$\text{सह सम्बन्ध गुणांक } (r) = 1 - \frac{6\Sigma d^2}{N(N^2-1)}$$

$$= 1 - \frac{6x2}{4(16-1)}$$

$$= 1 - \frac{6x2}{4 \times 15}$$

$$= 1 - \frac{12}{60}$$

$$= 1 - 0.2$$

$$= (+)\ 0.8 \text{ (उच्च कोटि का धनात्मक सह सम्बन्ध)}$$

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved. ISSN: 2581-3501

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि यहाँ पर उच्च कोटि का धनात्मक सह सम्बन्ध पाया गया है स्पष्ट है कि कृषि वाणिज्यीकरण और आधुनिकीकरण एक दूसरे से घनिष्ठ रूप से सह सम्बन्धित हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. Stamp, L.D. and Gilmour, S.C. (1889) "Chisholm's Handbook of Commercial Geography".
[2]. Anderson, J.R. (1970), A Geography of Agriculture, P-94.
[3]. Sing, Jasbir and Dhillon, S.S. (2004) Agricultural Geography, 3rd Edition P-286.
[4]. Haji Omar, A.B. (1979) "Imple mentation of Rural Development Institute Building in the Manda Region: In Mokhazani, B.A.R. (ed.), Rural Development in South East Asia, New Dehli.
[5]. लर्नर डी. (1968): मॉर्डनाइजेशन: सोसल आसपैक्ट्स, मैकमिलन कम्पनी (प्रा0 लि0) न्यूयार्क, पृ0 386.
[6]. आर्य एस0पी0 (1988): ग्रामीण समाजशास्त्र : ग्रामीण समाज, विवके प्रकाशन जवाहनगर, नई दिल्ली, पृ0 508.

© Eureka Journals 2018. All Rights Reserved. **ISSN: 2581-3501**